की स्थिति के अनुसार इन मिलों में नियोजित कामगारों की संख्या 1, 74,968 में से 18,690 कामगार मध्य प्रदेश राज्य में बंद पड़ी 5 मिलों से संबंधित हैं।

(ग) वस्त्र उद्योग के इन खंड़ों की आवश्यकताओं के अनुसार सरकार इन खंड़ों के लिए समय-समय पर नीतिपरक हस्तक्षेप करती है तथा कार्यक्रम/योजनाएं बनाती हैं जोकि वर्ष 1985 की वस्त्र नीति में निर्धारित व्यापक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है और यह एक सतत प्रक्रिया है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय सरकार ने वस्त्र मिलों की समस्याओं सहित औद्योगिक रूग्णता की समस्याओं से निपटने के लिए रूग्ण औद्योगिक कंपनी अधिनियम बनाया है तथा औद्योगिक व वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड की स्थापना की है।

Tista Barrage Project

3148. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) the estimated cost of the first sub-stage of the Tista Barrage project and the additional Central assistance for the project;

(b) whether it is a fact that the project has suffered a time and cost overrun;

(c) if so, the details thereof and

(d) whether Government would consider for providing additional Central assistance for the project even during the 9th Plan keeping in view of the importance of this project?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) The estimated cost of the first sub-stage of the Teesta Barrage Project is Rs. 69.72 crores as approved by Planning Commission on 8.5.75, and the revised estimated cost is Rs. 695 crores. The Planning Commission has approved the additional Central Assistance of Rs. 150 crores for this project during Eighth Five Year Plan in order to complete this project during the Eighth Plan period.

(b) and (c) Yes sir, The original cost of this project was Rs. 69.72 crores and the revised estimated cost is Rs. 695 crores. The project has been scheduled to be completed during Eighth Plan period and now it is expected to spillover beyond 8th Plan.

(d) Irrigation is a State subject. The irrigation projects are planned, funded and implemented by the State Government from their own resources. The implementation of the project depends upon the priority given by the State Govt. Ninth Plan has not been finalised.

हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों को चार लेनों वाला बनाना

3149. **श्री रामजीलाल:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के नाम क्या-क्या हैं;

(ख) हरियाणा में इस समय किन-किन राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्य चल रहा है, तथा यह कब तक पूरा कर लिया जाएगा, और

(ग) सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को कब तक चार लेन वाला बना दिया जाएगा तथा उन राष्ट्रीय राजमार्गों के नाम क्या हैं जिन्हें नौवीं पंचवर्षीय योजना में चार लेन वाला बना दिया जाएगा?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी. जी. वेंकटरामन): (क) एक विवरण संलग्न है (नीचे देखिए)

(ख) रा.रा.-1, 2, 8, 10 और 22 हरियाणा से होकर गुजरते हैं। इन सभी सड़कों पर विभिन्न निर्माण कार्य प्रगति के अलग-अलग स्तरों पर हैं तथा इन्हें पूरा करने का नियत समय भी भिन्न-भिन्न है।

(ग) यातायात की मात्रा और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर पारस्परिक प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए एक चरणबद्ध तरीके से राष्ट्रीय राजमार्गों का चार लेन का बनाया जाता है। यह बता पाना संभव नहीं है कि कब तक इन सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को चार लेन का बना दिया जाएगा। नौवीं योजना को अभी अंतिम रूप दिया जाना है और इसलिए अभी से इसके ब्यौरे देना संभव नहीं है।